

ये अव्यक्त इशारे

रुहानी रॉयल्टी और प्युरिटी की पर्सनैलिटी धारण करो

30-05-2025

जितनी पवित्रता है उतनी ब्राह्मण जीवन की पर्सनैलिटी है, अगर पवित्रता कम तो पर्सनैलिटी कम। ये प्योरिटी की पर्सनैलिटी सेवा में भी सहज सफलता दिलाती है। लेकिन यदि एक विकार भी अंश-मात्र है तो दूसरे साथी भी उसके साथ जरूर होंगे। जैसे पवित्रता का सुख-शान्ति से गहरा सम्बन्ध है, ऐसे अपवित्रता का भी पांच विकारों से गहरा सम्बन्ध है इसलिए कोई भी विकार का अंश-मात्र न रहे तब कहेंगे पवित्रता की पर्सनैलिटी द्वारा सेवा करने वाले।

Adopt the personality of spiritual royalty and purity.

To the extent you have purity, so you accordingly have the personality of Brahmin life. If there is less purity, then that personality too is less. This personality of purity easily makes service successful. However, if there is even the slightest trace of one of the vices, then its companions will definitely join in. Just as purity is deeply connected to peace and happiness, so, impurity is deeply connected to all five vices. When not even the slightest trace of vice remains within you, it would be said that you serve others with your personality of purity.